

Regarding need to set up departments for different medical science disciplines in Shaikh-UI-Hind Maulana Mahmood Hasan Medical College in Saharanpur, Uttar Pradesh-Laid

सुश्री इकरा चौधरी (कैराना): सहारनपुर मंडल, जिसकी आबादी लगभग 70 लाख है और जिसमें 70% से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। पूरे मंडल का प्रमुख सरकारी अस्पताल शेख-उल-हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज मात्र 430 बिस्तरों का है। सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर तीनों जिलों में दिल का दौरा पड़ने पर मरीज को फर्स्ट एड देने की सरकारी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। मजबूरी में लोगों को प्राइवेट अस्पताल जाना पड़ता है, जहां केवल फर्स्ट एड के लिए 50-60 हजार रुपये तक वसूले जाते हैं। किडनी के मरीजों को इलाज के लिए देहरादून, चंडीगढ़ या दिल्ली जाना पड़ता है, जिससे गरीब मरीज पर 500-1000 रुपये का सफर खर्च और अतिरिक्त अस्पताल खर्च का बोझ पड़ता है। कैंसर रोगियों की स्थिति भी चिंताजनक है; बड़े शहरों में रेफर होने से इलाज में देरी होती है, जिससे जान को खतरा बढ़ता है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY) के अंतर्गत मेडिकल कॉलेजों को आधुनिक बनाने की व्यवस्था है। मैं सरकार से अनुरोध करती हूँ कि शेख उल हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक, कैथ लैब, ऑन्कोलॉजी और नेफ्रोलॉजी विभाग की स्थापना हेतु तत्काल बजट आवंटित कर कार्रवाई की जाए।

[محترمہ اِقر اچودھری (کیرانہ): محترم چیرمین صاحب، سہارنپور منڈل جس کی آبادی تقریباً 70 لاکھ ہے اور جس میں سے 70 فیصد سے زیادہ لوگ گاؤں میں رہتے ہیں سنگین بیماریوں کی مصیبت کا سامنا کر رہے ہیں۔ پورے منڈل کا اہم سرکاری اسپتال شیخ الہند حضرت مولانا محمود حسن میڈیکل کالج صرف 430 بستروں کا ہے۔ سہارنپور، شاملی، مظفر نگر تینوں ضلعوں میں دل کا دورہ پڑنے پر مریض کو فرسٹ ایڈ دینے کی سرکاری سہولیت تک دستیاب نہیں ہے۔ مجبوری میں لوگوں کو پرائیویٹ اسپتال جانا پڑتا ہے۔ جہاں صرف فرسٹ ایڈ کے لئے 50-60 ہزار روپے تک وصولے جاتے ہیں۔ کڈنی کے مریضوں کو علاج کے لئے دہرادون، چندی گڑھ یا دہلی جانا پڑتا ہے، جس سے غریب مریض پر 500-1000 روپے کس سفر خرچ اور اسپتال کا علیحدہ خرچ جھیلنا پڑتا ہے۔ کینسر کے مریضوں کی حالت بھی تشویشناک ہے۔ بڑے شہروں میں ریفر ہونے سے علاج میں دیری ہوتی ہے، جس سے جان کا خطرہ بڑھتا ہے۔ پردھان منتری سواستھیہ سرکشا یوجنا (PMSSY) کے انتر گت میڈیکل کالجوں کو آدھونک بنانے کی ویوستھا ہے۔ میں سرکار سے گزارش کرتی ہوں کہ شیخ الہند حضرت مولانا محمود حسن میڈیکل کالج میں سپر اسپیشیلیٹی بلاک، پیٹھ لیب اینکولوجی اور نیفرولوجی وبھاگ کی استھاپنا کے لئے فوراً بجٹ آونٹ کر کاروائی کی جائے۔]